Vol 4 Issue 9 Oct 2014
ISSN No : 2230-7850

International Multidisciplinary Research Journal

Indian Streams Research Journal

Executive Editor
Ashok Yakkaldevi

Editor-in-Chief
H.N.Jagtap

Welcome to ISRJ

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2230-7850**

Indian Streams Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial board.Readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

International Advisory Board

Flávio de São Pedro Filho
Federal University of Rondonia, Brazil

Kamani Perera
Regional Center For Strategic Studies, Sri Lanka

Janaki Sinnasamy
Librarian, University of Malaya

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

Titus PopPhD, Partium Christian University, Oradea,Romania

Mohammad Hailat
Dept. of Mathematical Sciences, University of South Carolina Aiken

Abdullah Sabbagh
Engineering Studies, Sydney

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Fabricio Moraes de Almeida
Federal University of Rondonia, Brazil

George - Calin SERITAN
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences Al. I. Cuza University, Iasi

Hasan Baktir
English Language and Literature Department, Kayseri

Ghayoor Abbas Chotana
Dept of Chemistry, Lahore University of Management Sciences[PK]

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Ilie Pintea,
Spiru Haret University, Romania

Xiaohua Yang
PhD, USA

......More

Editorial Board

Pratap Vyamktrao Naikwade
ASP College Devrukh,Ratnagiri,MS India

R. R. Patil
Head Geology Department Solapur University,Solapur

Rama Bhosale
Prin. and Jt. Director Higher Education, Panvel

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University,Kolhapur

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Chakane Sanjay Dnyaneshwar
Arts, Science & Commerce College, Indapur, Pune

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary,Play India Play,Meerut(U.P.)

Iresh Swami
Ex - VC. Solapur University, Solapur

N.S. Dhaygude
Ex. Prin. Dayanand College, Solapur

Narendra Kadu
Jt. Director Higher Education, Pune

K. M. Bhandarkar
Praful Patel College of Education, Gondia

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

G. P. Patankar
S. D. M. Degree College, Honavar, Karnataka

Maj. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

S.Parvathi Devi
Ph.D.-University of Allahabad

Sonal Singh,
Vikram University, Ujjain

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

R. R. Yalikar
Director Managment Institute, Solapur

Umesh Rajderkar
Head Humanities & Social Science YCMOU,Nashik

S. R. Pandya
Head Education Dept. Mumbai University, Mumbai

Alka Darshan Shrivastava
Shaskiya Snatkottar Mahavidyalaya, Dhar

Rahul Shriram Sudke
Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

S.KANNAN
Annamalai University,TN

Satish Kumar Kalhotra
Maulana Azad National Urdu University

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.isrj.org

Indian Streams Research Journal
ISSN 2230-7850
Volume-4 | Issue-9 | Oct-2014
Available online at www.isrj.org

अनुसुचित जाती एवंम पिछछाडी जाती के विद्यार्थीती हों की सामाजिक आर्थिक स्थिती व उनकी शैक्षणिक उपलब्दता की तुलना

विशाल मोहन उपाध्याय [1] , विनोद कुमार [2]

[1]रीडर, शिक्षा विभाग , आर. बी. एस. कॉलेज, आगरा.
[2]शोधार्थी , डॉ. बी. आर. अम्बेडकर वि. वि.,आगरा.

सारांश :-इस अध्ययन का उद्देश्य अनुसूचित जाति एवं पिछड़ी जाति के विद्यार्थियों की सामाजिक–आर्थिक स्थिति व उनकी शैक्षिक उपलब्धि की तुलना करना था। अध्ययन हेतु यादृच्छिक विधि से 100 (50 अनुसूचित जाति व 50 पिछड़ी जाति) के छात्रों का चयन किया गया। अध्ययन हेतु सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया। निष्कर्षतः पिछड़ी जाति की सामाजिक आर्थिक स्थिति व शैक्षिक उपलब्धि अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों से उच्च पाई गई। परन्तु सांख्यिकीय दृष्टिकोण से अनुसूचित जाति एवं पिछड़ी जाति के विद्यार्थियों की सामाजिक आर्थिक स्थिति व शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

प्रस्तावना :-

प्रत्येक मानव राष्ट्र का अति लाभप्रद एवं मूल्यवान संसाधन है जिसे अत्यधिक सावधानीपूर्वक पालन–पोषण विकसित एवं सक्रिय रूप से रक्षित किए जाने की आवश्यकता है। प्रत्येक व्यक्ति के विकास की प्रत्येक अवस्था में भिन्न–भिन्न आवश्यकतायें होती हैं। अतः ऐसी स्थिति में इसकी शैक्षिक प्रक्रिया भी अत्यधिक सावधानीपूर्वक विस्तृत एवं विविधतापूर्वक योजना बनाने और बड़े मनोयोग से संचालित करने की आवश्यकता है। यह पहली सीढ़ी है जिसे सफलतापूर्वक पार करके ही कोई राष्ट्र अपने अभीष्ट लक्ष्य तक पहुँचता है।

भारत एक प्रभुत्तासम्पन्न लोकतान्त्रिक धर्मनिरपेक्ष समाजवादी गणराज्य है। जिसे विश्व के सबसे बड़े लोकतन्त्र के रूप में जाना जाता है। जिसमें समाजवादी एक ऐसी व्यवस्था है जिसके द्वारा स्वतन्त्रता के बाद से ही भारत की एकता एवं अखण्डता बनाये रखने का प्रयास किया जा रहा है। भारतीय समाज के जो कमजोर, असहाय, शोषित एवं सुविधाहीन वर्ग रहे हैं तथा जिनकी अशिक्षा, सामाजिक आर्थिक स्थिति दयनीय रही हैं। ऐसे वर्गों के उत्थान हेतु भारत की केन्द्र एवं राज्य सरकारें सदैव प्रयत्नशील रही हैं।

समस्या कथन

अनुसूचित जाति एवं पिछड़ी जाति के विद्यार्थियों की सामाजिक–आर्थिक स्थितिव उनकी शैक्षिक उपलब्धि की तुलना।

उद्देश्य

प्रस्तुत अध्ययन हेतु निर्धारित उद्देश्य निम्नलिखित निर्धारित किये गये–
1.अनुसूचित जाति एवं पिछड़ी जाति के छात्रों की सामाजिक आर्थिक स्थिति की तुलना करना।
2.अनुसूचित जाति एवं पिछड़ी जाति के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि की तुलना करना।

परिकल्पनायें

प्रस्तुत अध्ययन हेतु निम्नलिखित परिकल्पनाओं का निर्माण किया गया–

1.अनुसूचित जाति के छात्रों एवं पिछड़ी जाति के छात्रों की सामाजिक आर्थिक स्थिति में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता।

2.अनुसूचित जाति के छात्रों एवं पिछड़ी जाति के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता।

अध्ययन विधि

अध्ययन की प्रकृति को दृष्टिगत रखते हुए शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत अध्ययन में 'वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि' का प्रयोग किया। इस विधि के अन्तर्गत वर्तमान तथ्यों का अध्ययन वर्णन व व्याख्या की जाती है इस विषय की वर्तमान स्थिति क्या है, वर्तमान दशाओं, क्रियाओं, अभिवृत्तियों तथा स्थिति में विषय का ज्ञान प्राप्त करना इसका मूल उद्देश्य होता है।

अध्ययन के चर

अध्ययन में दो प्रकार के चरों का प्रयोग किया गया है–

1. स्वतन्त्र चर :प्रस्तुत अध्ययन में स्वतन्त्र चर के रूप में सामाजिक आर्थिक स्तर को लिया गया है।

2. आश्रित चर : प्रस्तुत अध्ययन में आश्रित चर के रूप में शैक्षिक उपलब्धि को लिया गया है।

न्यादर्श

प्रस्तुत अध्ययन में आगरा शहर में स्थिति उ.प्र. माध्यमिक शिक्षा सेवा बोर्ड से मान्यता प्राप्त 05 उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 11 में अध्ययनरत् विद्यार्थियों में से कुल 100 (50 अनुसूचित जाति व 50 पिछड़ी जाति) विद्यार्थियों का चयन यादृच्छिक विधि से किया गया।

उपकरण

•सामाजिक–आर्थिक स्तर मापनी (2006) –राजीव लोचन भारद्वाज।

•शैक्षिक उपलब्धि के मापन हेतु शोधार्थी द्वारा छात्रों के गत हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा के प्राप्तांकों के प्रतिशत को लिया गया।

प्रदत्तों का विश्लेषण

प्रस्तावित अध्ययनों में प्रदत्तों से निष्कर्ष प्राप्त करने के लिए मध्यमान, मानक विचलन, क्रान्तिक अनुपात एवं एक–मार्गीय प्रसरण विश्लेषण का प्रयोग किया गया।

1.अनुसूचित जाति एवं पिछड़ी जाति के छात्रों की सामाजिक आर्थिक स्थिति की तुलना अनुसूचित जाति एवं पिछड़ी जाति के छात्रों के सामाजिक–आर्थिक स्तर की तुलना के लिए शोधार्थी ने मध्यमान, मानक विचलन व क्रान्तिक अनुपात की गणना की जिसका विवरण निम्न तालिका सं. 1 में प्रस्तुत है।

तालिका सं. 1 :

अनुसूचित जाति एवं पिछड़ी जाति के छात्रों की सामाजिक–आर्थिक स्थिति के मध्यमान, मानक विचलन व क्रान्तिक अनुपात मान

tkfr	l[;k	e/;eku	ekud fopyu	Lor=rk v'k	ØkfUrd vuikr
vulfpr tkfr	50	44.52	10.09	98	0.71
fiNMh tkfr	50	46.02	10.97		

उपरोक्त तालिका के अवलोकन से स्पष्ट है कि अनुसूचित जाति व पिछड़ी जाति के छात्रों के सामाजिक–आर्थिक स्तर का मध्यमान क्रमशः 44.52 व 46.02 व मानक विचलन क्रमशः 10.09 व 10.97 प्राप्त हुए। परिणामों के विश्लेषण से स्पष्ट है कि पिछड़ी जाति के छात्रों का सामाजिक–आर्थिक स्तर अनुसूचित जाति के छात्रों की अपेक्षा उच्च है। दोनों के मध्य तुलना के लिए गणना किया गया क्रान्तिक अनुपात का मान 0.71 प्राप्त हुआ जो स्वतन्त्रता .05 सार्थकता स्तर पर तालिका मान 2.33 से कम प्राप्त हुआ। अतः इस सन्दर्भ में निर्मित शून्य परिकल्पना "अनुसूचित जाति के छात्रों एवं पिछड़ी जाति के छात्रों की सामाजिक आर्थिक स्थिति में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता" स्वीकृत की गई।

2.अनुसूचित जाति एवं पिछड़ी जाति के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना।

अनुसूचित जाति एवं पिछड़ी जाति के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि की तुलना के लिए शोधार्थी ने हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा के प्रतिशत को लिया गया। अतः अनुसूचित जाति व पिछड़ी जाति के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि की तुलना हेतु प्राप्तांकों के प्रतिशत के मध्यमान, मानक विचलन व क्रान्तिक अनुपात की गणना की गयी जिसका विवरण निम्नलिखित तालिका में प्रस्तुत है।

तालिका सं. 2 :
अनुसूचित जाति एवं पिछड़ी जाति के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्यमान, मानक विचलन व 'टी' मान

tkfr	l[;k	e/;eku	ekud fopyu	LorU=rk v'k	ØkfUrd vuikr
vulfpr tkfr	50	59.95	6.54	98	1.71
fiNMh tkfr	50	62.67	9.19		

उपरोक्त तालिका के अवलोकन से स्पष्ट है कि कि अनुसूचित जाति व पिछड़ी जाति के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्तांकों के प्रतिशत का मध्यमान क्रमशः 59.95 व 62.67 प्राप्त हुआ तथा मानक विचलन का मान क्रमशः 6.54 व 9.19 प्राप्त हुआ। परिणामों के विश्लेषण से स्पष्ट है कि अनुसूचित जाति की अपेक्षा पिछड़ी जाति के छात्रों के प्राप्तांक उच्च हैं। अतः दोनों के मध्य तुलना के लिए गणना किया गया क्रान्तिक अनुपात का मान 1.71 प्राप्त हुआ जो स्वतन्त्रता अंश 98 के लिए सार्थकता के .05 स्तर पर तालिका मान 2.33 से कम पाया गया। अतः इस सन्दर्भ में निर्मित शून्य परिकल्पना "अनुसूचित जाति के छात्रों एवं पिछड़ी जाति के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता"स्वीकृत की गयी।

निष्कर्ष

उपरोक्त परिणामों के विश्लेषण से स्पष्ट है कि अनुसूचित जाति एवं पिछड़ी जाति के विद्यार्थियों की सामाजिक आर्थिक स्थिति में अन्तर है। पिछड़ी जाति के विद्यार्थियों की सामाजिक आर्थिक स्थिति अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों से उच्च पाई गई। परन्तु यह अन्तर सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक नहीं पाया गया। शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन करने पर भी पिछड़ी जाति के विद्यार्थी अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों की अपेक्षा उच्च शैक्षिक उपलब्धि वाले पाये गये परन्तु यह अन्तर सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक नहीं पाया गया। अतः कहा जा सकता है कि पिछड़ी जाति एवं अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों की सामाजिक आर्थिक स्थिति एवं शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नहीं होता।

शैक्षिक निहितार्थ

अध्ययन के परिणामों से यह स्पष्ट है कि अनुसूचित जाति एवं पिछड़ी जाति के छात्रों की सामाजिक आर्थिक स्थिति भिन्न होती है। चूँकि दोनों ही जातियाँ पिछड़ी जातियाँ हैं अतः उनकी सामाजिक आर्थिक स्थिति

में भिन्नता तो है पर यह सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक नहीं है। परिणामों से यह भी प्रदर्शित होता है कि अनुसूचित जाति के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि के परिणाम पिछड़ी जाति के छात्रों से कम हैं। चूँकि सरकार द्वारा अनुसूचित जाति के छात्रों के निमित्त अनेक योजनायें संचालित कर उनके शैक्षिक, सामाजिक व आर्थिक उन्नयन के भरसक प्रयत्न किये जा रहे हैं। अतः यह समाज व शैक्षिक संस्थाओं की भी जिम्मेदारी है कि वे अनुसूचित जाति के छात्रों के प्रति लचीला रुख अपनाकर उनके शैक्षिक उन्नयन के लिए अपने स्तर पर भी प्रयास सुनिश्चित करें। जैसे कमजोर छात्रों का पता लगाना, उनकी समस्याओं को जानना और उसके अनुसार उन्हें परामर्श देना तथा कमजोर छात्रों हेतु अलग से निदानात्मक कक्षायें लगाना आदि।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1.आलम (2001) "ऐकेडमिक अचीवमेंट इन रिलेशन टू सोसियो इकोनोमिक स्टेटस", एन्जाइटी लेवल एण्ड अचीवमेंट मोटिवेशन, वेबसाइट खोज www.shodhganga.inflibnet.ac.in

2.अनर्जा एट अल. (2003) "द एडजस्टमेंट ऑफ चिल्ड्रेन वर्किंग इन सेफ्टी मेच इंडस्ट्रीज", वेबसाइट खोज www.shodhganga.inflibnet.ac.in

3.अरुणा एट अल. (2009) "ऐकेडमिक अचीवमेंट इन रिलेशन टू सोसल फोबिआ एण्ड सोसियो इकोनॉमिक स्टेटस", बेवसाइट खोज www.shodhganga.inflibnet.ac.in

4.बेस्ट, जेण डब्ल्यू(1963). रिसर्च इन एजूकेशन.प्रिन्टिंग हॉल ऑफ इण्डिया (प्रा.) लिमिटेड, मुम्बई.

5.जार्ज (1994) "अ कम्परेटिव स्टडी ऑफ एडजस्टमेंट एण्ड अचीवमेंट ऑफ 10 एण्ड 11 ईअर स्कूल स्टूडेंट्स", बेबसाइट खोज www.shodhganga.inflibnet.ac.in

6.हसीन (1999) "ऐकेडमिक अचीवमेंट एज अ फंक्शन ऑफ सोसल क्लास, पेरेंट चाइल्ड इन्टरेक्शन, डिपेंडेन्सी बिहेविअर एण्ड स्कूल मेनेजमेंट", वेबसाइट खोज www.shodhganga.inflibnet.ac.in

7.हेलेन (1998) "द डिफरेंस बिटवीन फील्ड डिपेंटेन्ट / फील्ड इनडिपेंटेन्ट कॉग्नेटिव स्टाइल्स ऑफ लो एण्ड हाई अचीवर मेथमेटिक्स स्टूडेंट्स", वेबसाइट खोज www.shodhganga.inflibnet.ac.in

8.जॉयस (1991) "द पर्सनलिटी करेक्टर्सटिक्स विच डिफरेंसिएट अचीवर एण्ड अण्डर अचीवर हाई स्कूल स्टूडेंट्स फ्रॉम सोसियो इकोनॉमिक इनवायरमेंट", वेबसाइट खोज www.shodhganga.inflibnet.ac.in

विनोद कुमार
रीडर, शिक्षा विभाग , आर. बी. एस. कॉलेज, आगरा.

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished Research Paper,Summary of Research Project,Theses,Books and Book Review for publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- International Scientific Journal Consortium
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- Google Scholar
- EBSCO
- DOAJ
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database
- Directory Of Research Journal Indexing

Indian Streams Research Journal
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.isrj.org